भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5010

01 अप्रैल, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियां

5010. श्री किशन कपूर:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों का कोई डाटा बैंक तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार पश्चिमी हिमालयी राज्यों में इन जड़ी-बूटियों के वैज्ञानिक दोहन के लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान करती है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय ने अपने परिधीय संस्थान/इकाइयों के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में उपलब्ध एथनो औषधीय पादपों का प्रलेखीकरण किया है और निम्न सूचीबद्ध मोनोग्राफ/पुस्तकों के रूप में डाटा प्रकाशित किया है:

1. सोवा-रिग्पा और आयुर्वेद में औषधीय महत्व की वनस्पतियों का चयन करना, जिसमें 200 पादप सम्मिलित हैं।
2. लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों और जड़ी-बूटी संपदा का प्रारंभिक तकनीकी आर्थिक सर्वेक्षण, जिसमें 721 पादप सम्मिलित हैं।
3. उत्तराखंड की जड़ी-बूटी संपदा वॉल्यूम-1 और 2, जिसमें 2069 पादप सम्मिलित हैं।
4. अरुणाचल प्रदेश (पापुम पारे, निचला सुबनसिरी, ऊपरी सुबनसिरी और कुरुंग कुमे) जिलों के मेडिको-एथनो-बॉटनी जिसमें 195 पादप सम्मिलित हैं।
5. लोअर सुबनसिरी जिले (अरुणाचल प्रदेश) का मेडिको-एथनो-बॉटनी, जिसमें 195 पादप सम्मिलित हैं।

साथ ही, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत संगठन नामत: भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई), जिसे देश की पादप विविधता के सर्वेक्षण के लिए अधिदेश प्राप्त है और बीएसआई देश के विभिन्न वनस्पति क्षेत्रों में स्थित विविध वनस्पति उद्यानों में औषधीय पादपों का संरक्षण करता है। हिमालयी क्षेत्र में, बीएसआई उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), देहरादून, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), शिलांग और सिक्किम हिमालयी क्षेत्रीय केंद्र (एसएचआरसी), गंगटोक में औषधीय पादपों का संरक्षण करता है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने हिमालयी क्षेत्रों के बॉटनिकल गार्डन में 197 औषधीय पादपों का संरक्षण किया है।

राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जड़ी-बूटी अनुसंधान एवं विकास संस्थान (एचआरडीआई), मंडल (गोपेश्वर) ने उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाने वाले 152 औषधीय जड़ी बूटियों का डाटा बैंक तैयार किया है। आयुर्वेद विभाग, हिमाचल प्रदेश ने अपने रिसर्च इंस्टीट्यूट इन इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (आईएसएम), जोगिंद्रनगर, मंडी के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में पाए जाने वाले 285 औषधीय पादपों पर सर्वेक्षण भी किया है और उसकी सूची तैयार की है।

(ग) और (घ): जी हां। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, 'औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' के लिए अपनी केंद्रीय क्षेत्रक योजना के अंतर्गत सरकारी के साथ-साथ देश भर के निजी विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/संगठनों को औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कार्यकलापों को चलाने के लिए परियोजना आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय द्वारा पश्चिमी हिमालयी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में औषधीय पादपों पर अनुसंधान करने के लिए विगत पांच वर्षों के दौरान समर्थित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या और संस्वीकृत राशि का ब्यौरा **संलग्नक** में है।

*****

संलग्नक

एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय द्वारा पश्चिमी हिमालयी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में औषधीय पौधों के अनुसंधान के लिए विगत पांच वर्षों के दौरान समर्थित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या और संस्वीकृत राशि का ब्यौरा:

क्र.सं.	**पश्चिमी हिमालयी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नाम**	**समर्थित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या**	**संस्वीकृत राशि (रूपये लाख में)**
1	हिमाचल प्रदेश	9	459.34
2.	जम्मू और कश्मीर	2	69.91
3	लद्दाख	1	39.68
4	उत्तराखंड	3	91.02
कुल		**15**	**659.95**